

---

# Dvijakrita Shiva Stuti 2

——  
द्विजकृता शिवस्तुतिः २

——  
Document Information



---

Text title : Dvijakrita Shiva Stuti 2

File name : dvijakRRitAshivastutiH2.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 24| 359-367||

See corresponding nAmAvalI

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 21, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Dvijakrita Shiva Stuti 2

---

### द्विजकृता शिवस्तुतिः २

---



(शिवरडस्थान्तर्गते उग्राण्ये)

द्विजः (उवाच)

नमस्ते भक्तमन्दार नमस्ते वृषभध्वज ।

नमस्ते पार्वतीनाथ नमस्ते भस्मभूषण ॥ ३५८ ॥

नमस्ते प्रमथाधीश नमस्ते चन्द्रशेखर ।

नमस्ते करुणासिन्धो नमस्ते भक्तवत्सल ॥ ३६० ॥

नमस्ते व्याघ्रचर्मिङ्ग नमस्ते शेषभूषण ।

नमस्ते मृगडस्ताय नमस्ते शूलपाणये ॥ ३६१ ॥

नमस्ते कालकालाय नमस्ते त्रिपुरान्तक ।

नमस्ते पुण्यरूपाय नमस्ते यज्ञरूपिणे ॥ ३६२ ॥

नमस्ते ज्ञानवृत्ताय नमस्ते वृत्तिरूपिणे ।

नमस्ते वीरभद्राय भद्ररूपाय ते नमः ॥ ३६३ ॥

नमस्ते भद्रकाराय नमस्ते भद्र प्रभो ।

नमस्ते परमोत्कृष्ट परब्रह्मत्रमोऽस्तु ते ॥ ३६४ ॥

नमस्ते निर्गुणामेय नमस्ते सुगुण प्रभो ।

नमस्ते सर्वद्वेषे नमस्ते सर्वपालक ॥ ३६५ ॥

नमस्ते सर्ववन्द्यै नमस्ते सर्वपूजित ।

नमस्ते गिरिरूपाय नमस्ते वनरूपिणे ॥ ३६६ ॥

नमस्ते सर्वरूपाय पार्वतीशाय ते नमः ।

विङ्गरूप नमस्तेऽस्तु नमस्ते विङ्गपूजिते ॥ ३६७ ॥

॥ इति शिवरडस्थान्तर्गते द्विजकृता शिवस्तुतिः २ सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरडस्थम् । उग्राण्यः सप्तमांशः । अध्यायः २४ । ३५८-३६७ ॥

- .. shrIshivarahasyam . ugrAkhyaH saptamAMshaH . adhyAyaH 24 . 359-367..

Notes:


The Dvijakṛtā Śivastutyāntargate ŚivaNāmāvaliḥ द्विजकृता शिवस्तुत्यन्तर्गते शिवनामावलिः २ that has been derived from this Stuti stutiH can be referred to from the link given below.

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Dvijakrita Shiva Stuti 2*

pdf was typeset on June 21, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

